सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 31 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 6 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अगर तुम्हे चाहिए, तो पहले दो; यही बुद्धिमानी की शुरुआत है।

-लाओत्से

टी20 विश्वकप : चौथी बार खिताबी मुकाबला... 7 | रास चुनाव बढ़ाएंगे सियासी दलों... 3 | हर त्योहार अन्याय के खिलाफ... 2

हाईजैक सरकार, जदयू में लीडरशिप वैक्यूम

नीतीश-निशांत के बीच सरकारी रस्साकशी

» जदयू में अनिश्चतता का महौल, निशांत को नेता बनाने की मांग जोरों पर

» यदि सफल हुआ प्रयोग तो अगला राजनीतिक झटका आंध्र प्रदेश में देखने को मिल सकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजनीतिक उथल-पुथल तेज है। नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद जदयू में बेचैनी का महौल है। आगे क्या होगा। नीतीश कुमार से जुड़े लोगों का राजनीतिक भविष्य क्या होगा यह बड़ा सवाल है। वहीं बिहार एपिसोड के बाद चन्द्राबाबू नायडू को लेकर भी सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकले जन्म ले रही है कि अगला इस्तीफा उनका हो सकता है। कुल मिलाकर नीतीश कुमार के नामांकन के बाद देश में राजनीतिक बमचक तेज हैं।

बिहार की राजनीति इन दिनों ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां हर चाल के पीछे एक बड़ी कहानी छिपी हुई है। सत्ता दिखने में भले स्थिर लगे लेकिन अंदरखाने बेचैनी संशय और उत्तराधिकार की राजनीति तेज हो चुकी है। जैसे ही नीतिश अगली राजनीतिक भूमिका को लेकर पार्टी के गलियारों में एक नया सवाल गूंजने लगा है कि नीतीश के बाद कौन? यहीं से कहानी में एक नया किरदार तेजी से उभरता दिख रहा है निशांत कुमार। अब तक राजनीति से दूर रहने वाले नीतीश कुमार के बेटे को अचानक जदयू के कुछ नेता भविष्य का चेहरा बताने लगे हैं। यह सिर्फ पारिवारिक भावनाओं की बात नहीं है बल्कि सत्ता की उस विरासत का मामला है जो बिहार की राजनीति में दशकों से नीतीश कुमार के इर्द-गिर्द घूमती रही है।

जदयू का मतलब नीतीश कुमार

जदयू का अस्तित्व लगभग पूरी तरह से नीतीश कुमार के व्यक्तित्व से जुड़ा रहा है। पिछले दो दशकों में पार्टी का संगठन नेतृत्व और राजनीतिक दिशा सब कुछ नीतीश के इर्द गिर्द घूमता रहा। यही कारण है कि जैसे ही उनके सक्रिय सत्ता से हटने या राज्यसभा जाने की संभावना सामने आई पार्टी के भीतर एक तरह का लीडरशिप वैक्यूम महसूस होने लगा। जदयू में कई वरिष्ठ नेता हैं लेकिन उनमें से कोई भी ऐसा चेहरा नहीं दिखता जिसे पूरे संगठन का स्वाभाविक उत्तराधिकारी माना जाए। इसी खालीपन ने अचानक निशांत कुमार के नाम को हवा दे दी है और कुछ जदयू नेताओं का तर्क है कि पार्टी को एक ऐसा चेहरा चाहिए जो नीतिश की विरासत को आगे बढ़ा सके और संगठन को टूटने से बचा सके और कार्यकर्ताओं को एक नया केंद्र दे सके हालांकि सवाल यह भी है कि क्या राजनीति विरासत से चलती है या अनुभव से निशांत कुमार अब तक सार्वजनिक जीवन से लगभग दूर रहे हैं। ऐसे में उनका अचानक राजनीति में आना जदयू के भीतर नई बहस को जन्म दे रहा है।

सरकार पर भाजपा का कब्जा

जदयू नीतीश कुमार के इस फैसले को अनुभव और राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को देखते हुए स्वाभाविक बता रही है जबकि विपक्ष इसे पूरी तरह से राजनीतिक दबाव का परिणाम बता रहा है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा ने नीतीश कुमार को हाईजैक कर लिया है। तेजस्वी का कहना है कि जो नेता कभी बिहार की राजनीति का स्वतंत्र चेहरा हुआ करते थे आज वही भाजपा की रणनीति

का हिस्सा बनते दिखाई दे रहे हैं। उनके मुताबिक यह सिर्फ एक नामांकन नहीं बल्कि बिहार की राजनीति में बदलते समीकरणों का संकेत है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में आने वाले समय में नेतृत्व और सत्ता संतुलन को लेकर कई नए सवाल खड़े हो सकते हैं। नीतीश कुमार लंबे समय से राज्य की राजनीति के केंद्र में रहे हैं और उनका राज्यसभा जाना इस बात का संकेत भी माना जा रहा है कि आने वाले समय में जदयू और भाजपा के बीच सत्ता की नई भूमिका तय हो सकती है। कुल मिलाकर नीतीश कुमार के नामांकन ने बिहार की राजनीति में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। सत्ता पक्ष इसे रणनीतिक फैसला बता रहा है, जबकि विपक्ष इसे राजनीतिक दबाव और बदलते समीकरणों की कहानी के रूप में पेश कर रहा है। आने वाले दिनों में यह मुद्दा और गरमा सकता है।

चन्द्रबाबू नायडू को लेकर खुल सकता है नया राजनीतिक अध्याय

इधर बिहार का यह पूरा घटनाक्रम अकेले राज्य तक सीमित नहीं रह गया है। राष्ट्रीय राजनीति में भी इसकी गूंज सुनाई देने लगी है। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में यह अटकलें भी तैर रही हैं कि अगर बिहार में यह प्रयोग सफल हुआ तो क्या अगला राजनीतिक झटका आंध्र प्रदेश में देखने को मिलेगा? क्या एन चन्द्राबाबू नायडू को लेकर भी कोई नया अध्याय खुल सकता है? कुल मिलाकर सत्ता के इस शतरंज में चालें इतनी तेजी से चल रही हैं कि कई लोगों को लगने लगा है कि क्या बिहार की सरकार धीरे-धीरे राजनीतिक हाईजैक की स्थिति में पहुंच रही है?

हर त्योहार अन्याय के खिलाफ जीत का संदेश देता है: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख ने पैतृक गांव सैफई में परिजनों और समर्थकों के साथ मनायी होली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इटावा स्थित अपने पैतृक गांव सैफई में परिजनों और समर्थकों के साथ त्योहार मनाया। सपा चीफ ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमे सत्य और अहिंसा का रास्ता दिखाया। इस रास्ते को न जाने कितने देशों को अपनाया, न केवल अपनाया बल्कि इससे कई देश आजाद हो गए, हमारा वो देश है जहां जिसने पूरी दुनिया में शांति का पैगाम दिया। इसी देश से जियो और जीने दो का नारा दिया। इसको न केवल अपनाया बल्कि इसको धर्म मानकर एक नई दिशा में समाज को ले गए।

कन्नौज सांसद ने कहा कि जितना खूबसूरत हमारा समाज है, जितनी बेहतरीन हमारी हिन्दुस्तानियत है, हमें अपना भाईचारा बनाकर रखता है, हर त्योहार हमें एक रास्ता दिखाता है, हर त्योहार अन्याय के खिलाफ जीत का संदेश देता है। जब पापी नष्ट होते हैं तब त्योहार मनाया जाता है। हमने और आपने धरती पर कहीं नहीं देखा होगा जैसा रंगों का त्योहार भारत में मनाया जाता है। ये भारत का त्योहार हमें एक करता है और ये त्योहार हमें यही संदेश देता है हम सब लोग बहुरंगी रहें, मन से भी बहुरंगी रहें।

सांसद अवधेश प्रसाद ने दी होली की शुभकामनाएं

सांसद और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अवधेश प्रसाद ने भी रंगों के पर्व होली की शुभकामनाएं दी है। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा, होली के महान पावन पर्व पर मैं सम्मानित, देवतुल्य क्षेत्रवासियों को, प्रदेशवासियों को और देशवासियों को हार्दिक बधाई देता हूं. उनका अभिनंदन करता हूं और स्वागत करता हूं. मैं उनसे विनम्रता पूर्वक अनुरोध करता हूं कि ये त्यौहार भाईचारे का त्यौहार है और हमें उम्मीद है कि ये त्यौहार इसी तरह से मनाया जाएगा और पूरे देश में सौहार्द का माहौल होगा।

नीतीश कुमार से भाजपा ने फिरौती में पूरा बिहार मांग लिया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा चुनाव में नामांकन किए जाने के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हालिया सियासी परिस्थिति को अपहरण और फिरौती से जोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि बिहार के इतिहास का सबसे बड़ा अपहरण! ये दिखने में राजनीतिक अपहरण है, लेकिन दरअसल ये बिहार का आर्थिक अपहरण है. भाजपा ने तो फिरौती में पूरा बिहार मांग लिया। अगला नंबरज समझदार को इशारा काफ़ी।

सैफई में अखिलेश ने कहा कि कहीं न कहीं जमीन की लड़ाई से पहले एक तकनीक के बहाने लड़ाई लड़ी जा रही है, एक देश के राष्ट्रपति जो अपनी मीटिंग में बैठे थे, एक बम आया और सबको खत्म कर के चला गया। अभी भी युद्ध चल रहा है. युद्ध की जानकारी हमारे पास आ रही है। इससे हमारे लोग भी प्रभावित हो रहे हैं. हम आज कहना चाहते हैं कि समाजवादी पार्टी और समाजवादी विचारधारा कभी भी युद्ध के पक्ष में नहीं रही है। कहीं भी युद्ध हो, हम उसके खिलाफ हैं, युद्ध नहीं होना चाहिए।

समाजवादी विचारधारा कभी भी युद्ध के पक्ष में नहीं

नीतीश कुमार दूल्हा तो बने, पर फेरे कोई और ले रहा: तेजस्वी

भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को किया हाईजैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाईजैक करने का आरोप लगाया है। पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए तेजस्वी यादव ने तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार को दूल्हा बनाकर घोड़े पर तो बैठा दिया गया है, लेकिन फेरे कोई और दिला रहा उनके इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में नई बहस शुरू हो गई है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने पहले ही दावा किया था कि भाजपा धीरे-धीरे जनता दल यूनाइटेड को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रही है। उनके मुताबिक जब वर्ष 2024 में नीतीश कुमार ने महागठबंधन छोड़कर एनडीए का साथ लिया था, उसी समय उन्होंने कहा था कि अंतत: भाजपा जदयू को खत्म करने की कोशिश करेगी। अब मौजूदा राजनीतिक घटनाक्र म को देखते हुए उनका कहना है कि उनके बयान सही साबित हो रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार तेजस्वी यादव ने यह भी कहा कि भाजपा ने मुख्यमंत्री को पूरी तरह से अपने राजनीतिक नियंत्रण में ले लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि नीतीश कुमार ने स्वयं राज्यसभा जाने की इच्छा जताई है। तेजस्वी का कहना है कि चुनाव के बाद भाजपा नेतृत्व मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा फैसला कर सकता है और इसे लेकर राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो सकती है।

गौरतलब है कि बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का करियर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने जनता दल के साथ राजनीति की शुरुआत की और वर्ष 1985 में पहली बार विधायक बने। बाद में उन्होंने जॉर्ज फर्नांडिस के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन किया और राष्ट्रीय राजनीति में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वर्ष 1996 में लोकसभा पहुंचे और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया।

पिता का राज्यसभा नामांकन का समर्थन करने के लिए कांग्रेस का आभार: सुप्रिया सुले

सोनिया गांधी, राहुल गांधी, खरगे व उद्धव ठाकरे को दिया धन्यवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंई। एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले ने शरद पवार के राज्यसभा नामांकन का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे और मल्लिकार्जुन खरगे सहित प्रमुख नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। यह निर्णय महा विकास अघाड़ी द्वारा लिया गया था, जो गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता का प्रतीक है।

सांसद सुले ने पार्टी के साथ खड़े रहने और गठबंधन द्वारा लिए गए निर्णय का समर्थन करने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे और मल्लिकार्जुन खरगे के साथ-साथ कांग्रेस और शिवसेना के नेताओं को धन्यवाद दिया। सुले ने पत्रकारों से कहा कि मैं सोनिया गांधी, राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, संजय राउत, आदित्य ठाकरे... और मल्लिकार्जुन खर्गे, साथ ही हर उस कांग्रेस नेता का तहे दिल से आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे, और उन वरिष्ठ शिवसेना

नेताओं का जिनके साथ हमने काम किया, और उन सभी का जिन्होंने शरद पवार साहब के साथ छह दशकों तक काम किया। महा विकास अघाड़ी की ओर से शरद पवार साहब का फॉर्म भरने के उनके फैसले के लिए मैं तहे दिल से उनका आभारी हूं, और मैं वास्तव में सभी का आभारी हूं। महाराष्ट्र विधानसभा में वर्तमान विधायी संख्या के आधार पर, सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के पास उन छह सीटों पर आराम से जीत हासिल करने के लिए पर्याप्त संख्या है। विपक्षी एमवीए गठबंधन - जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं - के पास सातवीं और अंतिम सीट हासिल करने के लिए ठीक उतने ही संयुक्त वोट (36 प्रथम वरीयता वोटों की आवश्यकता) हैं। इससे पहले 4 मार्च को, कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा कि पार्टी उच्च स्तर के आह्वान के बाद आगामी राज्यसभा चुनावों में शरद पवार का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने शुरू में इस सीट पर दावा किया था, लेकिन एनसीपी के साथ समन्वय और महा विकास अघाड़ी के सिद्धांतों का पालन करते हुए पवार का समर्थन किया गया, जो महत्वपूर्ण चुनावों से पहले गठबंधन सहयोगियों के बीच एकता को दर्शाता है। पत्रकारों से बात करते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि हमने राज्यसभा सीट पर दावा किया था क्योंकि हमारी पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है। इसकी प्रबल मांग थी। हालांकि, एनसीपी के शरद पवार गुट के कई नेताओं ने हमसे संपर्क किया और उद्धव ठाकरे से भी बात की। इनमें शरद पवार सबसे वरिष्ठ हैं... हम महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सिद्धांतों का पालन कर रहे हैं। हमारे हाई कमांड ने पवार साहब का समर्थन करने का फैसला किया है। हमें फोन आया है कि मल्लिकार्जुन खर्गे ने पवार साहब का समर्थन करने का फैसला किया है।

बजट सत्र के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस्तीफा देंगे: अरविंद बेल्लाड

भाजपा विधायक ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलूर। भाजपा विधायक अरविंद बेल्लाड ने दावा किया कि बजट सत्र के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया इस्तीफा दे सकते हैं और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य के नए मुख्यमंत्री बन सकते हैं। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि उसने पिछले तीन वर्षों में किसी भी सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की है। वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत नियुक्तियां भी नहीं की गई हैं।

उन्होंने कहा कि यह आज कर्नाटक राज्य में एक बहुत बड़ा मुद्दा है। पिछले तीन वर्षों में कांग्रेस सरकार ने एक भी सरकारी कर्मचारी की नियुक्ति नहीं की है। उन्होंने एक भी नई नौकरी की रिक्ति की सूचना नहीं दी है। पहले घोषित की गई रिक्तियों, जिनके लिए वित्त विभाग ने पहले ही अनुमति दे दी है, उन पर भी कांग्रेस सरकार नियुक्तियां नहीं कर रही है। केरल लोक सेवा आयोग (केपीएससी) घोटालों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन मुद्दों पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही, केपीएससी में एक बड़ा भ्रष्टाचार घोटाला सामने आ रहा है। इस प्रश्नपत्र घोटाले और अन्य घोटालों के बारे में विधानसभा में विस्तार से चर्चा हो चुकी है। उस समय सरकार और मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि वे इस मुद्दे को हल करेंगे। लेकिन आज तक इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बेल्लाड ने आगे इस बात पर जोर दिया कि राज्य विकास की ओर नहीं बढ़ रहा है, और कहा कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के अनुसार, कर्नाटक दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर आ गया है। उन्होंने कहा कि यदि हम निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन की बात करें, तो राज्य की अर्थव्यवस्था अच्छी होनी चाहिए। विकास होना चाहिए। लेकिन सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में राज्य का स्थान दूसरे स्थान से चौथे स्थान पर आ गया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

कांशीराम जयंती पर बसपा करेगी बड़ी रैली

लखनऊ में तैयारी, मायावती भी होंगी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी 15 मार्च को कांशीराम जयंती के मौके पर अपना शक्ति प्रदर्शन की तैयारी में जुट गई हैं। राजधानी लखनऊ में इस अवसर पर पार्टी की ओर एस बड़ा कार्यक्रम किया जाएगा। जिसके बाद पार्टी कार्यकर्ताओं ने लखनऊ चलो को आह्वान किया है।

इस कार्यक्रम में बसपा सुप्रीमो मायावती भी शामिल हो सकती हैं और पार्टी की आगे की रणनीति की तस्वीर पेश कर सकती है। कांशीराम जयंती पर लखनऊ में पुरानी जेल रोड पर स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर बड़ा कार्यक्र म किया जाएगा, जिसमें बसपा कार्यकर्ताओं का भारी जमावड़ा देखने को मिलेगा. इस कार्यक्रम को सभी 12 मंडलों से पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का आखिरी रूप रेखा तैयार की जा रहा है। लखनऊ के अलावा बसपा नोएडा और राजस्थान के भरतपुर में भी विशाल रैली का आयोजन करेगी। कांशीराम जयंती आयोजन को बहुजन समाज पार्टी के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है. लखनऊ के कार्यक्रम में बसपा सुप्रीमो मायावती भी शामिल हो सकती हैं और वो अपने समर्थकों को संबोधित कर सकती हैं, हालांकि अभी इसे लेकर कोई फ़ाइनल फैसला नहीं हो पाया है। इस कार्यक्रम के जरिए मायावती अपने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संदेश दे सकती हैं और चुनाव में किस रणनीति के साथ उतरना है इसकी भी आधिकारिक घोषणा कर सकती है. भरतपुर में बसपा की रैली में उनके भतीजे और पार्टी संयोजक आकाश आनंद हिस्सा लेंगे और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

रास चुनाव बढ़ाएंगे सियासी दलों की धड़कन

एनडीए व इंडिया गठबंधन ने अपनी-अपनी जीत के किए दावे

» तारीखों को लेकर रार
» विपक्ष को भी कमजोर कर सकते है
» भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढ़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव 2026 की घोषणा हो चुकी है। इसी के साथ सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। सभी दलों ने उम्मीदवार घोषित करने प्रारंभ कर दिए है। एनडीए व इंडियागठबंधन ने अपनी-अपनी जीत के दावे किए हैं। जिस भी राज्य में जिस पार्टी की सरकार का बहुमत है वहां पर उसकी जीत की संभावना है। पर कहीं न कहीं सभी पार्टियों में क्रास वोटिंग का भी डर समाया हुआ है।

वहीं इन चुनावों के समय को लेकर भी रार मची हुई है। जहां तक इनकी प्रमुख तारीखों की बात है तो चुनाव आयोग ने पहले चरण में 10 राज्यों की 37 सीटों पर चुनाव घोषित किए हैं। जिसके लिए अधिसूचना 26 फरवरी को जारी होगी, नामांकन 5 मार्च तक, और मतदान-मतगणना 16 मार्च 2026 को। जबकि बाकी सीटें नवंबर में भरी जाएंगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वर्ष 2026 में विभिन्न चरणों में खाली होने वाली कुल 71-75 सीटें के लिए चुनाव होंगे, जो पूरे वर्ष अप्रैल और नवंबर में भरी जाएंगी। लिहाजा, इन चुनावों के राजनीतिक मायने गहन व अहम हैं, क्योंकि ये चुनाव जहां एनडीए की बहुमत मजबूती बढ़ा सकते हैं, वहीं विपक्ष को भी कमजोर कर सकते हैं। इससे भाजपा व उसके साथियों का चुनावी हौसला बढेंगा। उत्तर प्रदेश की 10 सीटें सबसे महत्वपूर्ण हैं। इन दस चुनावी राज्यों में से 6 राज्यों में एनडीए की सरकार है, जबकि 4 राज्यों में इंडी गठबंधन के घटक दल सरकार में हैं। जहां तक राज्यवार सीटों की बात है कि पहले चरण में महाराष्ट्र की 7, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल की 5, बिहार की 5, ओडिशा की 4, असम की 3, हरियाणा की 2 और छत्तीसगढ़ की 1 सीटें शामिल हैं, जबकि दूसरे चरण में उत्तरप्रदेश की 10 और झारखंड, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना आदि की 20 से अधिक सीटों के लिए नवम्बर में चुनाव होंगे।

बिहार पर सबकी नजर

जहां तक राज्यवार स्थिति की बात है तो बिहार में राज्यसभा की 5 सीटों के लिए चुनाव होगा। अभी आरजेडी के 2, जेडीयू के 2 और एक सांसद राष्ट्रीय लोक मोर्चा का है। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा में एक सीट पर जीत के लिए

41 विधायकों के समर्थन की जरूरत है। एनडीए के पास 202 विधायक हैं और एनडीए के खाते में 4 सीटें सुनिश्चित हैं, जबकि 5 के लिए जोर आजमाइश बढ़ेगी। क्योंकि यहां 35 सीटों के साथ इंडिया एक भी सीट अपने बल पर जीतने की स्थिति में नहीं है, ऐसे में 5 विधायकों वाले एआईएमाईएम की भूमिका अहम हो जाती है। यदि पूरा विपक्ष एकजुट होता है तो बिहार में विपक्ष के पास कुल 41 विधायक हो जाते हैं और विपक्ष एक सीट निकाल सकते हैं। ऐसे में यह चुनाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व और विपक्षी एकता की के लिए अग्निपरीक्षा होगा।

इंडिया गठबंधन को 37 सीटों पर भी नुकसान की संभावना

जहां तक इन चुनावों में इंडिया गठबंधन को कितनी सीटें मिलने की बात हैं तो इंडिया गठबंधन को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 71-75 सीटों में से नेट 5 का नुकसान हो सकता है, जिससे उनकी संख्या 80 से घटकर 75 रह जाएगी। पहले चरण के 37 सीटों पर भी

नुकसान की स्थिति बनी हुई है, हालांकि कुछ राज्यों में स्थिरता संभव है। विश्लेषकों के अनुसार, इंडिया ब्लॉक वर्तमान 80 सीटों से 75 पर सिमट सकता है। कांग्रेस को विशेष रूप से 8 सीटें खोने का खतरा, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, दिग्विजय सिंह की सीटें भी शामिल हैं। वहीं बाद के चरणों का प्रभाव भी उसपर पढ़ेगा। क्योंकि उत्तर प्रदेश की 10 सीटें में से सपा को 2-3 मिलनी संभावित हैं, लेकिन कुल नुकसान होगा। जबकि कर्नाटक, झारखंड में 1-1 सीटों का नुकसान संभव है। ओवरऑल, एनडीए के लाभ से इंडिया कमजोर होगा।

एनडीए को कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना

सवाल है कि इन चुनावों में एनडीए को कितनी सीटें मिलने की संभावना है तो राजनीतिक विश्लेषकों को अनुमान है कि एनडीए को 2026 के राज्यसभा चुनावों में कुल 48 या इससे अधिक सीटें मिलने की संभावना है, जिससे उनकी ताकत 129 से बढ़कर 140+ हो सकती है। पहले चरण के 37 सीटों पर 5-7 का लाभ अनुमानित है, जबकि उत्तर प्रदेश जैसे बाद के चरणों से भी उसे अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, 71-75 खाली सीटों में से एनडीए को नेट 7-9 या 48 सीटें हासिल हो सकती हैं। चूंकि वर्तमान में एनडीए के 121-129 सदस्य हैं, इसलिए चुनाव बाद 145 तक पहुंचने की उम्मीद है। वहीं बाद के जून-नवम्बर वाले दूसरे चरणों के प्रभाव की बात है तो वे भी स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश की 10 सीटों में भाजपा को 7-8 मिलनी संभावित है, जबकि ओडिशा, तेलंगाना आदि में स्थिरतामिलेगी।, कुल मिलाकर सुपरमेजॉरिटी (123+) पक्की होगी। जबकि विपक्ष को 5 नुकसान होगा।

उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति

जहां तक उच्च सदन राज्यसभा में वर्तमान दलगत स्थिति की बात है तो राज्यसभा में कुल 245 सीटें हैं, जहां भाजपा के 103 और एनडीए के 121-129 सांसद हैं। जबकि विपक्षी इंडिया ब्लॉक के पास 78-80 सीटें हैं, जिसमें कांग्रेस के 27 सांसद हैं। जहां तक इन चुनावों के राजनीतिक प्रभाव की बात है तो इन चुनावों में एनडीए को 7-9 या इससे अधिक सीटों का लाभ मिलने का अनुमान है, जिससे उनकी संख्या 145 तक पहुंच सकती है। जबकि विपक्ष को 5 सीटें खोने का खतरा, खासकर बिहार, महाराष्ट्र में है। इससे भाजपा को राज्यसभा में अब कोई भी विधेयक पास करना आसान होगा और सुपरमेजॉरिटी की ओर बढ़त भी उसे मिलेगी।

क्रॉस वोटिंग से निपटने की चुनौती

यही वजह है कि क्रॉस वोटिंग से निपटने की चुनौती विपक्ष के सामने रहेगी। क्योंकि राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के लिए अपने अपने विधायको को एकजुट रखने की चुनौती हमेशा होती है। पिछले कुछ राज्यसभा चुनावों को देखें तो हरियाणा में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का सामना करना पड़ा था।

इसलिए आने वाले राज्यसभा चुनावों को देखें तो चाहे हरियाणा हो, बिहार हो, यहां पर कांग्रेस और सहयोगी दलों को फूंक-फूंक करकदम रखना होगा। हालांकि कुछ सीटों पर तो रिजल्ट पहले से ही तय है, लेकिन अगर विपक्ष क्रॉस वोटिंग को रोक पाता है तो उसके हाथ भी कुछ सीट आ सकती हैं।

चूंकि राज्यसभा में बीजेपी और एनडीए का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए इस वर्ष 75 सीटों पर होने वाले चुनावों में विपक्ष यदि कारगर रणनीति नहीं बनाता है तो फिर इंडिया गठबंधन वाले कांग्रेस और उसके सहयोगियों की संख्या और घट सकती है, इतना तय है।

प्रमुख नेताओं पर पड़ेगा प्रभाव

जहां तक इन चुनावों में प्रमुख नेताओं के प्रभावित होने की बात है तो कई दिग्गजों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है जिसमें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, जदयू नेता हरिवंश, भाजपा के केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी (6 मंत्री सहित) शामिल हैं। वहीं बीएसपी राज्यसभा से साफ हो सकती है। क्योंकि उत्तर प्रदेश में भाजपा को 7, सपा को 2 सीटें मिलने की संभावना है। वहीं राजद और बीजद समेत कई दलों की सीटें घटेगी।

महाराष्ट्र

वहीं महाराष्ट्र विधानसभा में भाजपा के नेतृत्व में सत्तारूढ़ महायुति आसानी से 6 सीटों पर जीत हासिल कर लेगा, वहीं 7वीं सीट के लिए वोटिंग हो सकती है। इसलिए महारा की राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले शरद पवार का संसदीय सफर थम सकता है। जबकि हरियाणा से बीजेपी

के दो सदस्य किरण चौधरी और रामचंद्र जांगरा का कार्यकाल 9 अप्रैल को खत्म हो रहा है। इसी प्रकार ओडिशा की 4 सीटों पर चुनाव होंगे, जहां अभी 2 सीट बीजेपी और 2 बीजेडी के पास है लेकिन विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखें तो बीजेपी की सीटों में इजाफा होना तय है। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ में दोनों सीटें अभी कांग्रेस के पास हैं और यहां भी बीजेपी जीत दर्ज करने की स्थिति में है।

तेलंगाना

तेलंगाना की तो वहां से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी रिटायर हो रहे हैं और बीआरएस के एक कैडिडेट का कार्यकाल पूरा हो रहा है। तेलंगाना में काग्रेस दोनों सीटें जीत सकती है और हिमाचल में भी काग्रेस एक सीट जीत सकती है।

असम से तीन पश्चिम बंगाल से 5 और तमिलनाडु से भी 6 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होंगे। चूंकि इन तीनों राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले इन राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के पास राज्यसभा में अपना संख्याबल कायम रखने का मौका मिलेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

होली सामाजिक समरसता और भाईचारे का त्यौहार

होली केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का माध्यम है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कटुता क्यों न हो, उसे प्रेम और संवाद के रंगों से मिटाया जा सकता है। यह पर्व हमारे बहुसांस्कृतिक समाज के जीवंत रंगों का प्रतीक है। विभिन्न जाति, वर्ग, भाषा और समुदाय के लोग इस दिन सभी भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं। आज के बदलते सामाजिक परिवेश में होली का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पर्व हमें आपसी वैमनस्य त्यागकर सौहार्द, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना अपनाने की प्रेरणा देता है। साथ ही, हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि होली को शांति, मर्यादा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता के साथ मनाया जाए। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग कर, जल संरक्षण का ध्यान रखते हुए और किसी की भावनाओं को आहत किए बिना उत्सव मनाना ही सच्चे अर्थों में होली की सार्थकता है।

अत: हम सभी का कर्तव्य है कि इस रंगोत्सव को प्रेम, एकता और भाईचारे के संदेश के साथ मनाएँ। अपने गिले-शिकवे भुलाकर, हृदय के द्वार खोलकर, एक-दूसरे को अपनत्व के रंग में रंगें, ताकि हमारे समाज और राष्ट्र में शांति, सौहार्द, समृद्धि और खुशहाली सदा बनी रहे। यही होली पर्व का वास्तविक संदेश और उद्देश्य है। होली भारतवर्ष का एक अत्यंत प्राचीन, सांस्कृतिक और लोकआस्था से जुड़ा हुआ पर्व है, जिसे पूरे देश में अत्यधिक धूमधाम, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व हिन्दू पंचांग के अनुसार फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को मनाया जाता है। ऋतु परिवर्तन के इस समय में जब शीत ऋतु विदा लेती है और वसंत का आगमन होता है, प्रकृति स्वयं रंग-बिरंगे पुष्पों से सुसज्जित हो जाती है। मानो प्रकृति भी रंगों के इस उत्सव का स्वागत कर रही हो। होली का पर्व परंपरागत रूप से दो दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाता है। इस दिन लोग लकड़ियों, उपलों और सूखी टहनियों को एकत्रित कर निर्धारित स्थान पर होली की स्थापना करते हैं। संध्या के समय विधिवत पूजा-अर्चना कर होलिका दहन किया जाता है। यह दहन बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। प्राचीन कथा के अनुसार भक्त प्रह्लाद की रक्षा और होलिका के दहन की स्मृति में यह परंपरा निभाई जाती है। होलिका की अग्नि के चारों ओर परिक्रमा कर लोग अपने परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्यता और मंगलकामना की प्रार्थना करते हैं। उत्तर भारत में इस अवसर पर गेहूं की बालियों को अग्नि में भूनकर खाने की परंपरा भी है, जो नई फसल के स्वागत का प्रतीक मानी जाती है।

“ एक विकसित शहर वह नहीं है जहां हर नागरिक के पास कार हो, बल्कि वह है जहां एक अति-संपन्न व्यक्ति भी अपनी कार छोड़कर सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना पसंद करे। इसके लिए नीतियों में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बच्चों के लिए सुरक्षित हो एआई का उपयोग

मधुरेंद्र सिन्हा

इस सदी में हमने जिस तकनीकी उत्पाद का अभूतपूर्व विकास देखा वह है मोबाइल फोन। भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा मोबाइल फोन उत्पादक ही नहीं बल्कि सबसे ज्यादा लोगों के पास इसके होने का गौरव रखता है। भारत में सस्ते स्मार्टफोन के आगमन और दुनिया की तीसरी सबसे सस्ती इंटरनेट सेवा होने के कारण घर-घर में कई-कई मोबाइल फोन दिखते हैं। लेकिन यहीं पर समस्या है और वह यह है कि नन्हे बच्चे जो कल तक खिलौनों से खेलते थे, आज मोबाइल फोन से चिपके हैं। मां-बाप बच्चों से पीछा छुड़ाने के लिए उन्हें स्मार्टफोन पकड़ा देते हैं। लाखों बच्चे तो ऐसे हैं जो फोन हाथ में लिये बिना खाना नहीं खाते या फिर हंसते-गाते नहीं। वे वर्चुअल वर्ल्ड से इतना जुड़ गये हैं कि उसके अलावा कुछ सोच नहीं पा रहे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की धमाकेदार एंट्री के बाद हालात और बदल गये। यह एक आधुनिक और तत्काल रिजल्ट देने वाली तकनीक है जिसके पास अपार संभावनाएं हैं। यह काफी कुछ कर सकता है, पलक झपकते ही आपके प्रश्नों का जवाब दे सकता है, लेख लिख सकता है व ड्राइंग भी बना सकता है। यानी यह सब कुछ कर सकता है जो एक बच्चा चाहेगा। और यहीं गंभीर समस्या आ सकती है। उस बच्चे को कैसे यह समझ में आयेगा कि क्या सही है और क्या गलत? इंटरनेट ने बच्चों को उम्र से पहले परिपक्व बनाना शुरू कर दिया है। अब एआई की बारी है जो उन्हें वहां पहुंचा सकती है जिसके बारे में हमने सोचा तक नहीं। हाल में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान फिक्की-यूनिसेफ की संयुक्त कार्यशाला में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय सूद ने कहा कि भारत में डिजिटल पैठ तेजी से बढ़ रही है और बच्चे एआई संचालित प्लेटफॉर्म्स की ओर खिंचे जा रहे हैं। अब जरूरी है कि एक समग्र और सशक्तीकरण करने योग्य फ्रेमवर्क तैयार किया जाये ताकि बच्चों का समुचित विकास हो। एआई अब सीखने के पैटर्न को एक आकार दे रहा है।

हमें देखना होगा कि बच्चे क्या सूचना पाना चाहते हैं और एआई इस्तेमाल करने के बाद उनका व्यवहार कैसा रहता है। इस पर सभी भागीदारों यानी अभिभावकों, स्कूलों, शिक्षकों वगैरह को ध्यान देना होगा। यह भी देखना होगा कि जो बच्चे एआई की मदद से पढ़ाई कर रहे हैं या करेंगे उनका दीर्घकालीन विकास कैसा होता है।

बच्चों के विकास पर समय के साथ एआई का क्या प्रभाव पड़ता है उसका अध्ययन करना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को दोधारी तलवार यूं ही नहीं कहा जा रहा। अगर यह बच्चों के विकास में बहुत बड़ा सहयोगी बनता है तो साथ ही उन्हें नुकसान भी पहुंचा सकता है। इसलिए जरूरी है कि इसके जोखिमों को समझा जाये और उसकी धार कुंद की जाये। यह किस तरह के अवसर प्रदान करता है उन्हें भी देखना होगा। यह भी कि बच्चों की एआई तक पहुंच कितनी हो। यह भी जान लेना जरूरी है कि एआई पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों के स्वतंत्र रूप से सोचने की ताकत और सरल बुद्धिमत्ता को कमजोर न कर दे। देश में इसके लिए कई तरह की पहल की हैं ताकि एआई पर लगाम लगाई जा सके। लेकिन केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी सचिव एस कृष्णा का मानना है कि इसी को देखते हुए एआई इंपैक्ट समिट आयोजित किया गया था। इसका थीम यही तो है कि मानव जाति, पृथ्वी और विकास के लिए एआई का लाभ उठाया जा सके। अगली पीढ़ी के पास व्यापक आधार वाली टेक्नोलॉजी हो ताकि विकास की शृंखला बन सके। उन्होंने यह भी कहा कि एआई को भय की दृष्टि से देखने की जरूरत नहीं बल्कि यह सोचकर इसे देखना-परखना चाहिए कि यह बच्चों के भविष्य में बदलाव ला सके। लेकिन यह भी कहा कि शासन द्वारा ऐसा मेकेनिज्म तैयार करना चाहिए जिससे बच्चों के भविष्य में बदलाव हो सके। जिससे उन्हें कई तरह के अवसर मिलते रहें ताकि उनका और विश्व का भविष्य संवरे। एआई अब चूंकि शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा खेलकूद में भी तेजी से आ रहा है और बच्चों की दुनिया बदल रहा है। भारत के एडटेक इंडस्ट्री के लिए यह एक वरदान साबित हो रहा है और आधुनिकतम शिक्षा दे रहा है।

एआई दुनिया भर के बच्चों को जोड़ रहा है। यहां पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं क्योंकि हर देश दूसरे से अलग है और उसकी परंपराएं-संस्कार अलग हैं। बच्चे गलत राह न जायें, इसकी भी व्यवस्था करनी होगी। दुनिया के 184 देशों के 54,000 बच्चों और किशोरों की एक सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई डिजाइनिंग, उनके इस्तेमाल और संचालन में बच्चों को केन्द्र में रखना चाहिए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है कि इससे तेजी से विकसित हो रहे एआई टूल्स को नियंत्रित किया जा सके जो युवा पीढ़ी खासकर बच्चों के लिए हानिकारक है।

सहज जीवन से ही सुकून शांति की प्राप्ति

डॉ. मधुसूदन शर्मा

यह समय की विसंगति ही कही जाएगी कि आर्थिक तरक्की और समृद्धि के बावजूद हमारे व्यवहार में कृत्रिमता का गहरा दखल हो गया है। किसी नजदीकी व्यक्ति से बातचीत करते हुए दिमाग में जोर डालना पड़ता है कि इस व्यक्ति की बात का वास्तविक अर्थ क्या है। यह भी कि अपने हितों की पूर्ति के लिए उसके व्यवहार में बदलाव क्यों व कैसे आ जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो हम देश-काल-परिस्थिति और अपनी जरूरतों के मुताबिक व्यवहार बदलते रहते हैं। व्यक्तित्व की जटिलता को विशिष्टता मानने का भ्रम मानवीय व्यवहार की विसंगति बनती जा रही है, जिसके लिये हम तमाम तरह के आडंबर व प्रपंच करते नजर आते हैं। हम आध्यात्मिक व धार्मिक होने का प्रदर्शन तो करते हैं लेकिन सही मायनों में हमारे कार्य व्यवहार में वो नजर नहीं आता है।

आखिर व्यक्ति को अपने सामाजिक दायरे में ये गिरगिटी रंग क्यों बदलने पड़ते हैं? आखिर व्यक्ति क्यों स्वाभाविक जीवन नहीं जी पाता? समय की विडंबना है कि सच बोलने से पहले व्यक्ति दस बार उसके नफे-नुकसान का आकलन करता है। यहां तक कि आत्मीय संबंधों में भी 'सहज संवाद' के बजाय व्यक्ति नफे-नुकसान का गणित देखता रहता है। सामाजिक जीवन के हर क्षेत्र में हानि-लाभ का गणित तलाशना हमारी आदत बन जाती है। ऐसा लगता है, जैसे जीवन सामाजिक व्यवहार के बजाय मुनाफे की दुकान बनकर रह गई हो। हम भूल जाते हैं कि सामाजिक व्यवहार कोई गणित का सवाल नहीं है, जिसे नफे-नुकसान के तराजू में तौला जा सके। दिखावे की इस दुनिया और आडंबरपूर्ण जीवन के बीच, कवि पं. भवानी प्रसाद मिश्र हमें चेताते हुए कहते हैं— 'तुम बंजर हो जाओगे/ यदि इतने व्यवस्थित ढंग से रहोगे/ यदि इतने सोच समझकर बोलोगे/ चलोगे/ कभी मन की नहीं कहोगे/ सच को दबाकर झूठे प्रेम के गाने गाओगे/ तो मैं तुम से कहता हूं,/ तुम बंजर हो जाओगे!' सही मायनों में यहां बंजर होने से कवि का तात्पर्य मनुष्य द्वारा अपनी 'सहजता' को खो देना है।

यह उस आंतरिक शून्यता की ओर उन्मुख होने का संकेत है, जहां मनुष्य के भीतर से प्रेम, करुणा और संवेदनाओं का स्रोत सूख जाता है। कवि की ये पंक्तियां नफे-नुकसान के सम्मोहन को त्यागने की बात करती है। कवि जिस बंजरपन से बचने की बात करता है, उसका समाधान केवल और केवल 'जीवन की सहजता' में निहित है। प्रश्न उठता है कि यह जीवन की सहजता आखिर है क्या? क्या यह सरल होना मात्र है या कुछ और? दरअसल, सहजता का अर्थ है, मनुष्य का मूल व्यवहार। वह जो मनुष्य मूल प्रकृति है, जो हमारी कृत्रिमता, प्रदर्शन की इच्छा या 'लोग क्या कहेंगे' के भय से मुक्त है। सहज व्यक्तित्व में कोई जटिलता नहीं होती और अंदर कोई दोहरा व्यक्तित्व भी नहीं पलता। सहज व्यक्ति अपनी कमियों और खूबियों के साथ को स्वीकार करता है। हां, सहजता का अर्थ प्रमाद, अनुशासनहीनता या अनियंत्रित होना बिल्कुल नहीं है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार अपने मूल स्वभाव को छोड़कर किसी दूसरे के छद्म व्यवहार का अनुसरण सर्वथा त्याज्य है।

यहां 'स्वधर्म' का अभिप्राय किसी कर्मकांड से नहीं, अपितु हमारी उस 'मौलिक प्रकृति' से है, जिसके साथ हमारा अस्तित्व स्पंदित होता है। यदि मनुष्य अपनी मौलिकता के व्यवहार में जीवन जीता है तो वह स्वस्थ जीवन भी जी सकता है। निर्विवाद रूप से हमारे जीवन का वास्तविक सौन्दर्य सहजता में ही निहित है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर हम सहज क्यों नहीं रह पाते? दरअसल, इस असहजता की जड़ें हमारे उस मनोविज्ञान में निहित हैं, जहां हम स्वयं की एक आदर्श छवि गढ़ने की कोशिश में रहते हैं। हम स्वयं को अत्याधिक बुद्धिमान, संस्कारवान या फिर सफल दिखाने के सम्मोहन में बंध जाते हैं। फिर इसी गढ़ी हुई छवि को बनाए रखने का निरंतर दबाव हमें भीतर ही भीतर कमजोर बना देता है। हमें निरंतर यह भय सताने लगता है कि यदि हम अपने मौलिक स्वरूप में दिखे तो समाज हमें कमजोर या सामान्य न समझ ले। दरअसल, सहजता के मार्ग में दूसरी बड़ी चुनौती व्यक्तित्वों की 'तुलना' है। सही मायनों में हम दूसरों से स्वयं की तुलना करके हम अपने जीवन की स्वाभाविक लय को खो देते हैं। इसके अतिरिक्त कई बार माता-पिता द्वारा बच्चों की दोषपूर्ण परवरिश भी उसकी मौलिक प्रकृति को प्रभावित करती है, जो उसक सहज जीवन जीने में बाधा उत्पन्न करती है।

सहजता की ओर लौटने में 'स्वयं की स्वीकार्यता' ही सबसे महत्वपूर्ण सोपान है। हमें स्वयं को उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए जैसे हम वास्तव में हैं। जब हम अपनी वास्तविकता को स्वीकार कर लेते हैं तो हम दूसरों के सामने बेझिझक अपनी मौलिकता और सहजता के साथ खड़े नजर आ सकते हैं। दूसरे, सहज रहने के लिए यह भी अनिवार्य है कि हमारी कथनी और करनी में कोई अंतर न हो। हमारे शास्त्र भी कहते हैं—'यथा चित्तं तथा वाचो यथा वाचस्तथा क्रिया'। अर्थात जैसा हमारा चित्त हो, वैसी ही हमारी वाणी हो और जैसी हमारी वाणी हो, वैसा ही हमारा आचरण हो। प्रकृति का एक शाश्वत नियम है—'जो वास्तविक है, वही सुंदर है।' इसलिए स्वयं को दिखावे से मुक्त रखें। अपनी एक कृत्रिम छवि गढ़ने के लिए अपनी ऊर्जा को व्यर्थ न गवांयें । सहज जीवन वह भूमि है जहां संवेदनाओं की हरियाली सदैव लहलहाती रहती है। वास्तव में, सहजता ही वह उर्वर शक्ति है जो हमारे व्यक्तित्व को 'बंजर' होने से बचाती है।

पैरों की मांसपेशियां

इन योगासनों से होगीं मजबूत

मजबूत पैर चाल, सुंदर बॉडी के साथ ही शरीर का भार संभालने के काम आते हैं। पैरों की मांसपेशियां मजबूत होने से शरीर में भी ताकत रहती है। पैरों की कमजोर मांसपेशियों का मतलब है, जल्दी थकान महसूस होना, घुटनों में दर्द, कम संतुलन और उम्र से पहले शरीर का झुक जाना। ऐसी स्थिति से बचने के लिए पैरों को मजबूती दिए जाने की जरूरत है। पुराने जमाने में लोग खेतों में चलते फिरते थे, पैदल चलने, शारीरिक सक्रियता होने से पैर मजबूत बना लेते थे। हालांकि आज कुर्सी वाली संस्कृति ने लोगों से पैरों की ताकत छीन ली है। शरीर कम एक्टिव रहता है, लोग दफ्तर में बैठे और घर में लेटे रहते हैं, जिससे उनके पैरों का व्यायाम बहुत कम हो जाता है। यही कारण है कि मांसपेशियां कमजोर हो जाती है और चलने फिरने में दिक्कत आती है। इस समस्या से बचने के लिए लोग जिम में लेग एक्सरसाइज करते हैं। हालांकि अगर आप बिना जिम जाए पैरों की मांसपेशियां, घुटने और टखने मजबूत करना चाहते हैं, तो ये योगासन कर सकते हैं जो कि आपकी रोजमर्रा की ज़िंदगी में फर्क ला सकते हैं।

मालासन

मालासन को अंग्रेजी में गारलैंड पोज कहते हैं, यह एक मध्यम श्रेणी का योगासन है। दिन भर दफ्तर में बैठकर काम करने वाले लोगों के लिए मालासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद माना जाता है। इस योगासन का नियमित अभ्यास शरीर की कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है। मालासन पुराने समय की प्राकृतिक बैठने की मुद्रा है। इसमें पूरी तरह बैठें। एड़ियां जमीन पर रखें और हाथ जोड़ें। यह आसन जांघ, पिंडली और हिप्स मजबूत बनाता है। घुटनों की जकड़न कम करता है और पैरों की फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने में सहायक है।

उत्कटासन

उत्कटासन उत्कट शब्द से बना है। वहीं अगर इसके अर्थ की बात की जाए तो इसका अर्थ उग्र यानी विशाल या तीव्र होता है। इस आसन को करने से सेहत को कई तरीके से फायदे हो सकते हैं। उत्कटासन के अभ्यास से थाई और ग्लूट्स को ताकत मिलती है। घुटनों को सपोर्ट और पैरों की थकान कम होती है। इसके अभ्यास के लिए घुटनों को मोड़ते हुए ऐसे बैठें जैसे कुर्सी पर बैठ रहे हों। इस दौरान हाथ ऊपर रखें।

वीरभद्रासन

यह आसन जांघों, पिंडलियों और हिप्स को मजबूत करता है। वीरभद्रासन के अभ्यास के लिए एक पैर आगे, दूसरा पीछे रखें। आगे वाले घुटने को मोड़ें, हाथ ऊपर उठाएं और नजर सामने रखें। इस आसन को नियमित करने से जांघों की मांसपेशियां मजबूत, पैरों में स्थिरता और संतुलन आता है और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होती है।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन पैरों के साथ-साथ शरीर के निचले हिस्से में लचीलापन बढ़ाता है। इसके अभ्यास से जांघ और पिंडली की स्ट्रेचिंग होती है। ब्लड सर्कुलेशन बेहतर और पैरों की अकड़न दूर होती है। इसके करने के लिए पैर फैलाएं। एक हाथ नीचे पैर की ओर और दूसरा ऊपर आसमान की ओर।

सेतु बंधासन

ब्रिज पोज लेग मसल्स के साथ लोअर बैक को भी सपोर्ट देता है। इसके अभ्यास से जांघ और हिप्स टोन होते हैं। ब्लड फ्लो बेहतर रहता है और पैरों में ऊर्जा आती है। इस आसन के अभ्यास के लिए शरीर की मुद्रा एक सेतु या ब्रिज जैसी बन जाती है। यह आसन आपकी कमर को भी सही शेप देने में लाभकारी होता है। इस आसन को करने से जांघों और पैरों में जमा अतिरिक्त चर्बी कम होती है, जिससे पैरो को सही आकार मिलता है।

हंसना मना है

शादीशुदा महिला- पंडितजी, मेरे पति हमेशा मुझसे लड़ते रहते हैं। घर की सुख-शांति के लिए कौन-सा व्रत रखूं? पंडितजी- मौन व्रत रखो बेटा, सब बढ़िया होगा!

एक पार्टी में एक सुन्दर सी लड़की एक लड़के के पास गई, लड़की- सुनिए, मेरे एक हाथ में गिलास और दूसरे में प्लेट है, आप मेरे चेहरे से एक चीज हटा देंगे! लड़का-हां हां क्यों नहीं, क्या चीज हटानी है? लड़की- अपनी कुत्ते जैसी नजर!

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता- मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य- बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते.. दे चप्पल!

वाईफ टीवी पर मैच देख रही थी, हसबंड स्मार्ट बनके आया और बोला, डार्लिंग मैं कैसा लग रहा हूं? तभी वाईफ जोर से चिल्लाई, छक्का!

प्रेमिका- मेरा मोबाइल मां के पास रहता है। प्रेमी-अगर पकड़ी गई तो? प्रेमिका- तुम्हारा नंबर बैटरी लो के नाम से सेव कर रखा है। जब भी तुम्हारा फोन आता है तो मां कहती है,'लो चार्ज कर लो। प्रेमी अभी भी कोमा में है!

कहानी | लक्ष्मण जी नहीं सोए 14 साल

रामचंद्र जी को जब उनके पिता दशरथ राजपाट सौंपने वाले थे, तभी उनकी दूसरी पत्नी कैकेयी को उनकी दासी मथंरा ने खूब भड़काया। मंथरा ने कहा कि राजा तो आपके बेटे भरत को बनना चाहिए। इसके बाद कैकेयी ने राजा दशरथ से दो वर मांगे, पहला भरत को गद्दी मिलनी चाहिए और दूसरा राम को 14 वर्ष तक वन में रहना होगा। राजा दशरथ को अपनी पत्नी के वर पूरे करने पड़े। जब रामचंद्र जी वनवास के लिए अयोध्या से निकले, तब लक्ष्मण जी ने भी उनके साथ जाने की इच्छा जाहिर की। लक्ष्मण के वन जाने की बात सुनकर उनकी पत्नी उर्मिला भी साथ जाने की जिद करने लगती है। तब लक्ष्मण अपनी पत्नी उर्मिला को समझाते हैं कि वह अपने बड़े भाई और मां समान भाभी सीता की सेवा करने के लिए जा रहे हैं। अगर तुम वनवास में साथ चलोगी, तो मैं ठीक तरह से सेवा नहीं कर पाऊंगा। लक्ष्मण के सेवा भाव को देखकर उर्मिला साथ जाने की जिद छोड़ देती है और महल में ही रुक जाती है। वन में पहुंचकर लक्ष्मण, भगवान राम और सीता के लिए एक कुटिया बनाते हैं। जब राम और सीता कुटिया में विश्राम करते थे, तब लक्ष्मण बाहर पहरेदारी करते थे। वनवास के पहले दिन जब लक्ष्मण पहरेदारी कर रहे थे, तब उनके सामने निद्रा देवी प्रकट हुई। लक्ष्मण ने निद्रा देवी से वरदान मांगा कि वह 14 साल तक निद्रा मुक्त रहना चाहते हैं। निद्रा देवी ने कहा कि तुम्हारे हिस्से की नींद किसी और को लेनी होगी। लक्ष्मण कहते हैं कि उनके हिस्से की नींद उनकी पत्नी को दे दें। इस कारण लक्ष्मण 14 साल तक नहीं सोए और उनकी पत्नी उर्मिला लगातार 14 वर्ष तक सोती रही। 14 वर्ष बाद जब भगवान राम और माता सीता के साथ जब लक्ष्मण अयोध्या वापस आए, तब नींद की अवस्था में रामचंद्र जी के राजतिलक समारोह में उर्मिला भी उपस्थित थी। यह देख लक्ष्मण को हंसी आती है। जब लक्ष्मण से हंसी की वजह पूछी गई, तो उन्होंने निद्रा देवी के वरदान के बारे में सब कुछ बताया। लक्ष्मण ने कहा कि जब मैं उबासी लूंगा, तब उर्मिला की नींद खुलेगी। लक्ष्मण जी की इस बात को सुनकर सभा में मौजूद सभी हंस पड़े। सभी को हंसते देख उर्मिला लज्जावश समारोह से उठकर बाहर चली जाती हैं।

7 अंतर खोजें

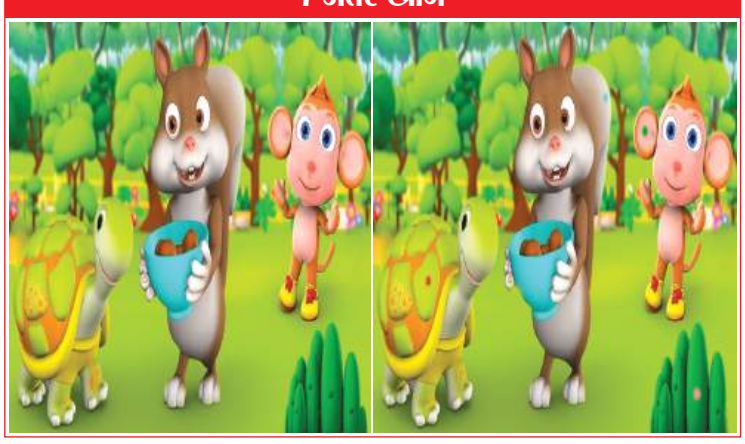

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी।

वृषभ

शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी।

कर्क

लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

कन्या

आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा।

वृश्चिक

राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मकर

राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा।

कुम्भ

आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

बॉलीवुड | वेलकम

विजय के गांव में नई बहू रश्मिका का ग्रैंड वेलकम

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा का एक्टर के गांव में भव्य स्वागत हुआ। कपल ने रस्मों को पूरा किया और गांव के 3000 लोगों को खाना खिलाया। विजय ने देवरकोंडा चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत 44 सरकारी स्कूलों के बच्चों को स्कॉलरशिप देने की घोषणा की। रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा शादी के बाद हैप्पी लाइफ जी रहे हैं। कपल हनीमून पर ना जाकर रस्मों रिवाजों को पूरा कर रहा है। 4 मार्च को उनका वेडिंग रिसेप्शन होना है। इससे पहले कपल ने बची हुई रस्मों को पूरा किया। हैदराबाद में रश्मिका का ग्रैंड वेलकम हुआ। इसके बाद विजय देवरकोंडा के तेलंगाना स्थित गांव में सोमवार को कपल का भव्य स्वागत किया गया। गांव के नए घर में गृहप्रवेश और सत्यनारायण पूजा रखी गई थी। विजय और रश्मिका ने पूजा में साथ बैठकर विधियों को पूरा किया। सिल्क साड़ी में नई नवेली दुल्हन रश्मिका की खुशी का ठिकाना नहीं था। अपने लव ऑफ लाइफ विजय संग वो खुश दिखीं। न्यूलीवेड कपल की एक झलक पाने को पूरा गांव वहां पर इकट्ठा हुआ। रश्मिका और विजय ने सभी का हाथ जोड़कर नमन किया। गांववालों ने कपल को सदा सुखी रहने का आशीर्वाद दिया। विजय ने स्टेज पर आकर गांववालों को उनकी बहू रश्मिका से मिलवाया। एक्ट्रेस ने गांववालों का इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया अदा किया। कपल ने गांव के 3000 लोगों को खाना खिलाया। इसके अलावा विजय ने एक बड़ा ऐलान भी किया। एक्टर ने देवरकोंडा चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत 9वीं और 10वीं क्लास के बच्चों को स्कॉलरशिप देने का ऐलान किया। ये सौगात तेलंगाना के जिले के डिवीजन के 44 सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलेगी। इस अनाउंसमेंट को सुनने के बाद उनकी मां की खुशी का ठिकाना नहीं था। भाई आनंद ने भी इस पहल को सराहा। विजय ने गांववालों से कहा- मेरे होमटाउन में मेरा घर और जमीन है। अब से मैं लगातार गांव आता रहूंगा। शादी के बाद कपल तिरुमाला तिरुपति मंदिर भगवान का आशीर्वाद लेने गया था। कपल की एक झलक पाने को फैंस बेकरार रहते हैं।

पश्चिम एशिया में तनाव पर मोदी की हिना ने की तारीफ

पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है। अमेरिका और इस्राइल मिलकर ईरान पर हवाई हमले कर रहे हैं। ईरान ने भी पलटवार किया है। मिसाइल और ड्रोन हमलों के बीच हर तरफ युद्ध के हालातों पर चिंता जताई जा रही है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत में भी राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर बहस का दौर जारी है। इस बीच हिना खान अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। पश्चिम एशिया तनाव को लेकर फिल्मी सितारे भी रिएक्शन दे रहे हैं। चर्चित अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। हिना खान ने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट शेयर करते हुए दो फोटो साझा की हैं, जिसमें फोटो पीएम मोदी की है। वहीं, एक तस्वीर में छोटा बच्चा डंडे से सड़क पर पहिया चला रहा है। इसके साथ हिना ने लिखा है, जो ये भी ठीक से नहीं चला सकते, वो उन पर सवाल उठा रहे हैं, जो इतना बड़ा देश चला रहे हैं। साहस, हिम्मत, विडंबना। जय हिंद। हिना खान ने अपने इस पोस्ट के जरिए देश विरोधियों को जवाब दिया है। इसके जरिए उन्होंने यह कहने की कोशिश की है कि जो लोग छोटी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं निभा सकते, वे देश की बागडोर संभालने वाले नेता पर सवाल उठा रहे हैं। मगर, प्रधानमंत्री की तारीफ वाले हिना खान के इस पोस्ट पर नेटिजन्स उनकी आलोचना कर रहे हैं। हालांकि, कुछ लोग हिना खान के सपोर्ट में भी आए हैं। उनका समर्थन जताते हुए लिख रहे हैं, संकट के समय देश के नेतृत्व के साथ खड़ा होना जरूरी है।

कहा- जो लोग छोटी जिम्मेदारियां नहीं निभा सकते, वे पीएम पर सवाल उठा रहे हैं

मेरा करियर बिगाड़ने की हुई साजिश : राजपाल यादव

राजपाल यादव जेल से रिहा होने के बाद एक के बाद एक खुलासे कर रहे हैं। अब एक्टर ने दावा किया है कि उनके साथ बड़ी साजिश हुई है। उनका करियर, फिल्म बिगाड़ने का प्लान था। एक्टर ने बॉलीवुड में अपनी सालों की जर्नी और काम पर बात की है। एक इंटरव्यू में राजपाल ने प्रियदर्शन, डेविड धवन और राम गोपाल वर्मा जैसे फिल्म निर्माताओं के साथ बार-बार काम करने के अपने एक्सपीरियंस पर बात की। दरअसल, राजपाल जेल से रिहा होने के बाद इन दिनों प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बन रही फिल्म भूत बंगला के लिए शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में काम करने के एक्सपीरियंस पर बात करते हुए राजपाल ने कहा- सभी का शुक्रिया, भूत बंगला के सेट पर प्रियन जी से लेकर जितने भी लोग हैं, उन सभी का शुक्रिया। राजपाल ने खुलासा किया है कि उन्होंने प्रियदर्शन, राम गोपाल वर्मा और डेविड धवन के साथ लगभग 50 फिल्मों में काम किया है। इस बारे में बात करते हुए एक्टर बोले- जिस प्रोडक्शन के साथ एक बार काम किया, उस प्रोडक्शन से दोबारा काम जरूर मिला। जितना थैंक्यू बोलूं कम है कि मेरे लिए कभी भी काम की कमी ईश्वर ने होने नहीं दी। जितना काम हो पाया, उतना काम मैंने भी किया और उतना काम आगे भी आता गया। अब कोशिश करेंगे कुछ और अच्छा कर पाएं। राजपाल यादव ने कहा कि शिकायतकर्ता का इरादा उनकी छवि और उनकी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला को खराब करना था। उन्होंने कहा- मेरे पर्सनल सेक्रेटरी मेहुल ने सुना था कि उन्होंने क्या कहा और वो आज क्या कह रहे हैं। इनका 100 प्रतिशत फिल्म को बिगाड़ने का, राजपाल को बर्बाद करने का, राजपाल का सबके सामने करियर खत्म करने का प्लान था। अगर मेरा करियर बर्बाद करने का कोई इरादा नहीं होता तो फिर पूरी इंडस्ट्री को लेटर क्यों भेजा जाता?

कहा- मुझे काम मांगने की जरूरत नहीं

यूपी का सबसे बड़ा गांव, चुनाव के समय घूमने में लग जाता है महीना!

उत्तर प्रदेश में एक इतना बड़ा गांव है। जहां एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने में महीने लग जाते हैं।ऐसा कहा जाता है कि इस गांव में पंचायत चुनाव लड़ना विधायक का चुनाव लड़ने से भी ज्यादा कठिन होता है। बताया जाता है कि इस गांव के बड़े क्षेत्रफल और सघन बस्तियों के चलते प्रत्याशी हर टोले तक पहुंच ही नहीं पाते। इस गांव के एक छोर से दूसरे छोर की दूरी लगभग 30 किमी तक फैली है। यहां एक प्रधान को गांव के कोने-कोने तक पहुंचने में महीने लग जाता है, जिससे प्रशासनिक कार्य काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। सोनभद्र का जुगैल गांव भौगोलिक रूप से प्रदेश का सबसे बड़ा गांव माना जाता है।जिसमें कुल 75 टोले शामिल हैं। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक, इस गांव की वर्तमाने में जनसंख्या करीब 40 हजार बताई जा रही है। वर्ष 2020 के पंचायत चुनाव में कुल 17342 मतदाता थे। जो कि अब यह संख्या लगभग 23 हजार तक हो गई है। इस गांव की एक बड़ी समस्या यह है कि सरकार से मिलने वाला बजट सीमित होता है, जबकि गांव की जरूरतें कई गुना ज्यादा होती हैं।सड़कों, स्वास्थ्य, शिक्षा और इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधाएं हर टोले तक पहुंचाना संभव नहीं हो पाता, जिससे ग्रामीणों को रोजमर्रा की समस्याओं से जूझना पड़ता है।

अजब-गजब | यूपी में अब सेफ हैं पति, पुलिस ने निकाल ही लिया रास्ता

नीले ड्रम से यहां नहीं खाएंगे खौफ!

यूपी के शामली जनपद में महिलाओं द्वारा अपने प्रेमी के साथ मिलकर पतियों की हत्या के मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है। वहीं, बीते कुछ दिनों में महिलाओं से प्रताड़ित होकर कई व्यक्तियों ने शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जनपद में पति-पत्नी के विवाद को समाप्त करने के लिए बनाए गए वन स्टॉप सेंटर पर दर्जनों मामले विचाराधीन हैं। सेंटर की प्रभारी महिला अधिकारी का कहना है कि इस तरह के सैकड़ों मामले हर महीने हमारे पास आते हैं। इसी बीच, एक पति अपनी पत्नी और उसके प्रेमी से जान का खतरा होने की शिकायत लेकर उच्च अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। यह मामला बीते दिनों हुए उन घटनाओं से जुड़ा है, जिनमें पत्नियों ने अपने प्रेमी और परिजनों के साथ मिलकर पतियों की हत्या की थी। पुलिस ने दोनों अलग-अलग मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा किया। वन स्टॉप सेंटर में पति-पत्नी के विवाद का दोनों पक्षों से सुनवाई कर समझौता कराने की प्रक्रिया चलती है।बीते महीने में करीब 10 मामले ऐसे आए, जिनमें पतियों ने पत्नियों पर प्रताड़ना और प्रेमी के साथ फरार होने का आरोप लगाया। थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के निवासी काला उर्फ जितेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी अपने मामा की लड़की के पास आती-जाती थी, इसी दौरान गांव रंगना के एक युवक से उसका प्रेम संबंध हो गया।बाद में फोन लेकर फेसबुक के जरिए बातचीत शुरू हुई और कुछ महीने पहले पत्नी अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई, जबकि मेरे दो बेटे हैं।उसे वापस लाने के लिए मैंने उच्च अधिकारियों से लेकर थाने तक चक्कर लगाए, लेकिन मुझे वन स्टॉप सेंटर भेज दिया गया। कार्रवाई के दौरान मेरी पत्नी और उसका प्रेमी मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस अधिकारियों से बात करने पर उन्होंने कोर्ट की शरण लेने की सलाह दी। वन स्टॉप सेंटर की महिला इंचार्ज गजाला त्यागी ने बताया कि हमारे पास हर महीने पति-पत्नी के विवाद के कई मामले आते हैं, जिनमें पत्नियों को दहेज या अन्य कारणों से प्रताड़ित किया जाता है। हाल के दिनों में पत्नियों के प्रेमी के साथ फरार होने या चले जाने के मामले भी बढ़े हैं। हम दोनों पक्षों को बुलाकर सुनवाई करते हैं और समझौते का प्रयास करते हैं। अब अधिकतर शिकायतें पत्नियों की तरफ से आ रही हैं, हालांकि कुछ शिकायतें पतियों की ओर से भी मिली हैं, जिनमें पत्नी द्वारा प्रेमी संग मिलकर जान से मारने का खतरा जताया गया है। इन मामलों में ज्यादातर वजह मोबाइल फोन का उपयोग सामने आ रहा है।

बंगाल के राज्यपाल के इस्तीफे पर सियासी बवाल

विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के इस फैसले पर जताई हैरानी

» अलोकतांत्रिक कार्यशैली का परिचय दे रही मोदी सरकार : कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ सप्ताह पहले राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस द्वारा अचानक दिये गए इस्तीफे पर सियासी बवाल मच गया। सपा, कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों बीजेपी की केंद्र सरकार के इस फै सले पर हैरानी जताई है। कांग्रेस ने कहा कि पिछले साल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्र पति पद से 'बिना किसी कारण के हटा' दिया गया था। कांग्रेस ने कड़ी हैरानी जताई है और केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए इसे अलोकतांत्रिक कार्यशैली का हिस्सा बताया है।

नए राज्यपाल निश्चित रूप से रूकावटें पैदा करेंगे : जयराम

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ सप्ताह पहले बृहस्पतिवार को राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस द्वारा अचानक दिये गए इस्तीफे पर कांग्रेस ने हैरानी जताई और कहा कि पिछले साल जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से ''बिना किसी कारण के हटा'' दिया गया था और कोलकाता के लोक भवन में उनके उत्तराधिकारी (बोस) के साथ भी ''इसी तरह का व्यवहार'' किया गया है। विपक्षी दल ने यह भी कहा कि अब आर एन रवि को बंगाल भेज दिया गया है, ऐसे में ''वहां उनके द्वारा रुकावटें पैदा करना तय है।'' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहले जगदीप धनखड़ को 21 जुलाई 2025 को भारत के उपराष्ट्रपति पद से अचानक हटा दिया गया। कोलकाता के लोक भवन में उनके उत्तराधिकारी सी.वी. आनंद बोस के साथ आज ऐसा ही व्यवहार किया गया। आखिर ये हो क्या रहा है?'' रमेश ने एक अन्य पोस्ट में कहा, आर एन रवि, मोदी की 'व्यवस्था' का अभिन्न अंग हैं। हालांकि, उनकी कार्यशैली के कारण उन्हें नगालैंड से हटना पड़ा था।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''वह (रवि) तमिलनाडु भेजे गए, जहां उन्होंने घोर बदनामी बटोरी। अब उन्हें पश्चिम बंगाल भेज दिया गया है, जहां वह निश्चित रूप से रूकावटें पैदा करेंगे।

चुने हुए मुख्यमंत्री से सलाह किए बिना गवर्नर को हटाना गंभीर : फखरुल

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा,जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने बिना सोचे-समझे और चुने हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सलाह किए बिना गवर्नर को हटाया, उससे गंभीर सवाल उठते हैं। यही मुद्दा ममता बनर्जी उठा रही हैं। इस बात की भी चिंता है कि जिन राज्यों में गैर-बीजेपी सरकारें हैं, वहां बीजेपी गवर्नर के जरिए उन सरकारों के काम में दखल दे रही है। इसलिए, समाजवादी पार्टी का मानना है कि ममता बनर्जी की चिंताएं जायज हैं।

आर. एन. रवि होंगे नए राज्यपाल

राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस के इस्तीफे और आर. एन. रवि की संभावित नियुक्ति ने पश्चिम बंगाल में केंद्र-राज्य के बीच टकराव को एक नया मोड़ दिया है। इस घटनाक्र म को आगामी विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे राज्य की राजनीति में एक नए विवाद की नींव पड़ गई है।

राज्यपाल के पद पर पर्याप्त समय बिताया : सी. वी. आनंद

राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस इस्तीफे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने राज्यपाल के पद पर पर्याप्त समय बिताया है। बता दें कि सी. वी. आनंद बोस को नवंबर 2022 में केंद्र सरकार की ओर से पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया था और तब से वह इस पद पर कार्य कर रहे थे।

राज्यपाल आनंद पर दबाव डाला गया : ममता बनर्जी

इसी बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया दी है। मौजूद जानकारी के अनुसार उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें फोन कर जानकारी दी कि आर. एन. रवि को बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया जा रहा है।ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस के अचानक इस्तीफे की खबर से वह हैरान और चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें इस्तीफे के पीछे के कारणों की जानकारी नहीं है, लेकिन मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि उन पर कुछ दबाव डाला गया हो। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में यह भी कहा कि अगर किसी राजनीतिक उद्देश्य से चुनाव से पहले ऐसा कदम उठाया गया है तो यह गंभीर चिंता का विषय हो सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नए राज्यपाल की नियुक्ति के बारे में उन्हें पहले से कोई औपचारिक परामर्श नहीं दिया गया।ममता बनर्जी ने अपने बयान में कहा कि इस तरह के फैसले सहकारी संघवाद की भावना को कमजोर कर सकते हैं और इससे राज्यों की गरिमा पर असर पड़ता है। उन्होंने केंद्र सरकार से अपील की कि संघीय ढांचे और लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए।

भाजपा ने शराब की दुकानें खोलकर गलत किया : केजरीवाल

» शराब पीकर लोग हुड़दंग न करें इसलिए रहती थी बंदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि यह रंगों का त्यौहार होली सबके जीवन में खूब सारे खुशियों के रंग लेकर आए, सबके परिवार को सारी खुशियां दे और सबको बहुत-बहुत खुश रखे। आम आदमी पार्टी और उसके पूरे नेतृत्व के साथ बहुत बड़ा अन्याय किया गया था और एक षड्यंत्र रचा गया था। अब कोर्ट से यह साबित हो गया है कि आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है और पार्टी के सभी नेता कट्टर ईमानदार हैं।

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि यह बहुत दुख की बात है कि भाजपा ने होली के मौके पर भी पूरी दिल्ली के अंदर शराब की दुकानें खोली हुई हैं। वर्षों से त्योहारों के अवसर पर शराब की दुकानें बंद हुआ करती थीं, ताकि शराब पीकर लोग हुड़दंग ना करें। आज होली के मौके पर जब कई वर्षों से दुकानें बंद रहा करती थीं, ऐसे में भाजपा सरकार ने शराब की दुकानें खोलकर बहुत गलत किया है। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर दिल्ली समेत सभी देशवासियों को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रंगों का यह त्योहार आपके जीवन में खुशियां, प्रेम और नई ऊर्जा भर दे। आप सभी का जीवन सुख, शांति और समृद्धि से भर जाए। उनकी साजिशों और झूठ के बीच भी आम आदमी पार्टी के रंग फीके नहीं पड़े हैं, क्योंकि हमारी ताकत है ईमानदारी और जनता का भरोसा।

फारूक ने की ईरान पर हुए हमले की निंदा

» तीसरे विश्व युद्ध की दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने अमेरिका-इजरायल के ईरान पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि किसी भी देश को दूसरे राष्ट्र पर अपना नियंत्रण थोपने का अधिकार नहीं है। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष ने भारत सरकार से ईरान-इजरायल संघर्ष पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की जिम्मेदारी पर जोर दिया। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि ईरान एक स्वतंत्र देश है और अमेरिका द्वारा उस पर हमला करना गलत है। उन्होंने वेनेजुएला का भी उदाहरण दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस युद्ध का प्रभाव आने वाले दिनों में दुनिया भर में महसूस किया जा सकता है। यह स्थिति एक बड़े वैश्विक संघर्ष, संभवत: तीसरे विश्व युद्ध में बदल सकती है।

उन्होंने कहा कि स्थिति को जिम्मेदारी से संभाला जाना चाहिए। उन्होंने मुस्लिम समुदाय में गुस्से का जिक्र किया लेकिन शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर जोर दिया। कश्मीर घाटी में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में प्रदर्शन हुए हैं। बाद में श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अमेरिका ईरान पर कब्जा करना चाहता है, जिसके परिणाम अच्छे नहीं होंगे। फारूक अब्दुल्ला ने इस संघर्ष के व्यापक परिणामों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह युद्ध कुछ बड़ा रूप ले सकता है। अंतत: यह एक तीसरे विश्व युद्ध का कारण बन सकता है। उन्होंने इस स्थिति को अत्यंत गंभीरता से लेने का आह्वान किया। अब्दुल्ला ने कहा कि इस मामले को जिम्मेदारी से निपटाया जाना चाहिए।

फंसे कश्मीरी छात्रों की वापसी के प्रयास

ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों के बारे में पूछे जाने पर फारूक अब्दुल्ला ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। छात्रों को वापस लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। उन्हें भूमि मार्गों से निकालकर फिर उड़ानों द्वारा वापस लाया जाएगा।

पश्चिम एशिया के संघर्ष में फंसे लोगों के लिए शुरू हो ऑपरेशन : सोरेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के बादलों के बीच वहां रोजी-रोटी कमाने गए भारतीयों की सुरक्षा पर संकट खड़ा हो गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी केंद्र सरकार को उनकी जिम्मेदारी याद दिलाते हुए जल्द से जल्द रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने की मांग की है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि खाड़ी देशों में फंसे झारखंड और अन्य राज्यों के लोगों को वापस लाना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है। इससे कुछ दिन पहले सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया था। सोरेन ने खाड़ी देशों में तेजी से बदलती स्थिति को अत्यंत चिंताजनक बताया था।

टी20 विश्वकप : चौथी बार खिताबी मुकाबला खेलेगा भारत

सेमीफाइनल में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हराया

» संजू सैमसन ने खेली 89 रन की तूफानी पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारत ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस हाई स्कोरिंग मुकाबले में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 246 रन ही बना सकी। सैमसन ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 97 रन की अहम साझेदारी की।

किशन ने 18 गेंदों में 39 रन बनाए। संजू सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 89 रन की तूफानी पारी खेली। इसके बाद शिवम दुबे ने भी 25 गेंदों में 43 रन बनाए। अंतिम ओवरों में हार्दिक पांड्या ने 12 गेंदों में 27 रन और तिलक वर्मा ने 7 गेंदों में 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 250 के पार पहुंचाया। भारतीय टीम ने विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही टीम इंडिया लगातार दो टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचने वाली दुनिया की तीसरी टीम बन गई है। इससे पहले यह उपलब्धि पाकिस्तान और श्रीलंका हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा टीम इंडिया चौथी बार टी20 विश्वकप का खिताबी मुकाबला खेलेगी। अब भारतीय टीम का सामना 8 मार्च यानी रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में न्यूजीलैंड से होगा।

जैकब बेथेल की मेहनत पर फिरा पानी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने कड़ी टक्कर दी। जैकब बेथेल ने बेहतरीन शतक लगाते हुए 105 रन बनाए, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने अहम मौकों पर विकेट लेकर मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने 48 गेंदों का सामना किया और आठ चौके तथा सात छक्के की सहायता से 105 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 218.75 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। इसी के साथ बेथेल ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए।

पीएम मोदी ने भारतीय विदेश नीति को सरेंडर करवा दिया : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष का सरकार पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर मध्य पूर्व संकट से निपटने के उनके तरीके को लेकर तीखा हमला करते हुए इसे भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन बताया और प्रधानमंत्री पर भारत की विदेश नीति को आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया। एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में, खरगे ने पश्चिम एशिया में बिगड़ती स्थिति और क्षेत्र में फंसे भारतीय नागरिकों की दुर्दशा पर सरकार की प्रतिक्रिया के बारे में कई सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय हितों का घोर उल्लंघन सबके सामने है।

खरगे ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्थे लौट रहा एक ईरानी जहाज हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से क्षतिग्रस्त हो गया। खरगे ने कहा कि भारत का अतिथि एक ईरानी जहाज, जो हमारे द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 से निहत्था लौट रहा था, हिंद महासागर क्षेत्र में टॉरपीडो से हमला किया गया। इस पर कोई चिंता या संवेदना व्यक्त नहीं की गई। प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं।

उन्होंने सरकार की अपनी ही नीतियों पर चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि महासागर नीति और हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के शुद्ध सुरक्षा प्रदाता होने की नीतियों पर हमें उपदेश क्यों दे रहे हैं, जबकि आप अपने ही आंगन में हो रही घटनाओं पर प्रतिक्रिया नहीं दे सकते? खरगे ने होर्मुज की खाड़ी में फंसे भारतीय नौसैनिकों के मानवीय संकट पर प्रकाश डाला। उन्होंने सवाल किया कि होर्मुज की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 38 वाणिज्यिक जहाज और 1100 नौसैनिक फंसे हुए हैं। कैप्टन आशीष कुमार समेत 2 भारतीय नौसैनिकों की कथित तौर पर मौत हो गई है। ऐसे में कोई समुद्री बचाव या राहत अभियान क्यों नहीं चलाया जा रहा है?

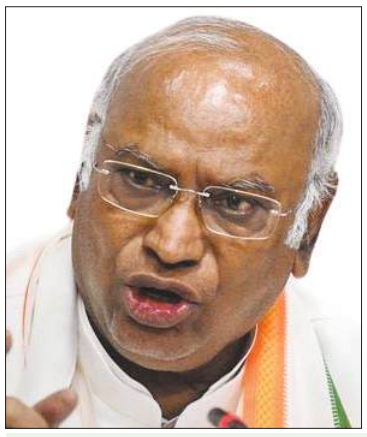

एक अति-वाक्पटु सरकार की यह चुप्पी चौंकाने वाली : मनीष तिवारी

सुबह कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी सवाल उठाया कि क्या भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों पर निर्णय लेने के लिए अमेरिका से अनुमति की आवश्यकता है? अमेरिका के नव-साम्राज्यवादी अहंकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस नेता ने लिखा कि 30 दिन की छूट जारी करना - यह खोखली भाषा नव-साम्राज्यवादी अहंकार से भरी है। क्या हम कोई ऐसा देश हैं जिसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए अमेरिका की अनुमति की आवश्यकता है?अमेरिका के बयान पर नई दिल्ली की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए तिवारी ने आगे कहा कि एक अति-वाक्पटु सरकार की यह चुप्पी चौंकाने वाली है। क्या इसे संप्रभुता का अर्थ नहीं पता? कांग्रेस की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने घोषणा की थी कि विभाग ने भारत को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देते हुए 30 दिन की छूट जारी की है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वाशिंगटन ने कहा कि वह इस अल्पकालिक छूट के बाद नई दिल्ली से अमेरिकी तेल की खरीद में वृद्धि की उम्मीद करता है।

भारतीय विदेश नीति एक भ्रष्ट व्यक्ति के शोषण का परिणाम : राहुल गांधी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्र वार को भारतीय विदेश नीति को एक भ्रष्ट व्यक्ति का शोषण बताया। यह बयान तब आया जब अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले समुद्री मार्गों में

व्यवधान के बीच भारत को रूसी तेल खरीदने की छूट दे दी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान ईरान का मुकाबला करने के लिए 30 दिन के इस उपाय की घोषणा की, जिससे कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाले खाड़ी देशों पर गंभीर असर पड़ा है। संप्रभुता के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नई दिल्ली की विदेश नीति देश के इतिहास और मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। गांधी ने लिखा कि भारत की विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से उत्पन्न होती है। यह हमारे इतिहास, हमारे भूगोल और सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हमारे आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। आज हम जो देख रहे हैं वह नीति नहीं है। यह एक भ्रष्ट व्यक्ति के शोषण का परिणाम है।

ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता

उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक प्रभावों पर भी चिंता जताई। उन्होंने पूछा कि आप कहते हैं कि कच्चे तेल और अन्य तेल का भंडार सिर्फ 25 दिनों का बचा है। तेल की बढ़ती कीमतों के साथ, हमारी ऊर्जा संबंधी आपातकालीन योजना क्या है, खासकर तब जब भारत सरकार ने रूसी तेल का आयात रोकने की मांग को लगभग स्वीकार कर लिया है? खाड़ी देशों के साथ अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के व्यापार का क्या होगा? उन्होंने खाड़ी क्षेत्र में भारतीय नागरिकों के संबंध में विदेश मंत्रालय के 3 मार्च, 2026 के बयान का भी हवाला दिया।

हालात किस तरफ जाएंगे, कहना मुश्किल : राजनाथ

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर बोले रक्षामंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

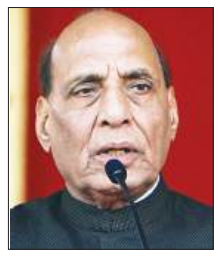

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चाहे अमेरिका-इजरायल हो या ईरान कोई भी पीछे हटने का नाम नहीं ले रहा है। मिडिल ईस्ट में जारी तनातनी के बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हालात अभी असामान्य हैं। हालात किस तरफ जाएंगे, अभी ये कहना मुश्किल है।

दरअसल, कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिडिल ईस्ट में जारी तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आगाह किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी प्रकार की रुकावट वैश्विक अर्थव्यवस्था और तेल-गैस की सप्लाई चेन को ध्वस्त कर सकती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि फारस की खाड़ी में अस्थिरता सीधे तौर पर भारत सहित पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करेगी। रक्षा मंत्री ने युद्ध के बदलते स्वरूप और अंतरिक्ष तक फैलते मुकाबले को भविष्य के लिए एक मुश्किल चुनौती करार दिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट या पूरा फारस की खाड़ी का इलाका ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी के लिए एक जरूरी इलाका है। जब इस इलाके में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की सप्लाई पर पड़ता है। ये अनिश्चितताएं सीधे इकॉनमी और ग्लोबल ट्रेड पर असर डालती हैं।

असम में वायुसेना का सुखोई एसयू 30 एमके फर्स्ट हुआ दुर्घटनाग्रस्त

दो पायलट शहीद, वायुसेना ने की पुष्टि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

असम । भारतीय वायुसेना ने शुक्र र को पुष्टि की है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई स्फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो जांबाज पायलट शहीद हो गए हैं। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई एसयू-30 एमके फर्स्ट फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो जांबाज पायलट शहीद हो गए हैं। यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था।

भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई एसयू-30 एमके फर्स्ट फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो जांबाज पायलट शहीद हो गए हैं। यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था ।एक बयान

में, पायलटों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ़्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर के तौर पर की। आज सुबह, आईएएफ ने कन्फ़र्म किया था कि फ़ाइटर जेट जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किमी दूर कार्बी आंगलोंग के एक पहाड़ी इलाके में गिरा। आईएएफ ने एक बयान में कहा, एसयू-30 एमके फर्स्ट जो एक ट्रेनिंग मिशन पर था, जोरहाट से लगभग 60 द्मद्ग दूर कार्बी आंगलोंग के इलाके में क्रैश हो गया। सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं। गुरुवार को जोरहार से सुखोई के उड़ान भरने के बाद, प्लेन का ग्राउंड कंट्रोल से आखिरी कम्युनिकेशन शाम 7.42 बजे हुआ था। 2000 के दशक की शुरुआत में एयर फ़ोर्स में शामिल किया गया सुखोई स्ह्व-30 स्ME्द्ब सबसे काबिल फ्रंटलाइन कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में से एक माना जाता है।

ईरान के 6 मिसाइल लॉन्चर तबाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में ईरान के साथ शुरू हुई जंग आज सातवें दिन में पहुंच गई है। ये सब 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल की जॉइंट स्ट्राइक्स से शुरू हुआ था, जब ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत हो गई। लंदन में ईरान के लिए जासूसी के शक में चार लोगो को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि ये लोग यहूदियों कम्यूनिटी के लोगो पर नजर रख रहे थे. जो चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं, इनमें एक ईरानी नागरिक है, जबकि तीन 3 ईरानी मूल के हैं।

अल-जजीरा के मुताबिक, अमेरिका-ईरान युद्ध के शुरुआती 100 घंटों में अमेरिकी सरकार पर कुल 3.7 अरब डॉलर (करीब 31,000 करोड़ रुपये) का खर्च आया है. यह औसतन प्रति दिन 891.4 मिलियन डॉलर (करीब 750 करोड़ रुपये) बनता है. यह आंकड़ा वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज की नई रिपोर्ट में सामने आया हैरिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के शुरुआती चरण में खर्च सबसे ज्यादा इसलिए हुआ क्योंकि अमेरिका ने बी-2 स्पिरिट स्टेल्थ बॉम्बर्स, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल्स, प्रिसिजन-गाइडेड म्यूनिशंस और अन्य हाई-टेक हथियारों का इस्तेमाल किया। सीएसआईएस ने कहा,एयर कैंपेन के शुरुआती दिनों में महंगे और स्मार्ट हथियारों का इस्तेमाल होता है, इसलिए लागत बहुत ज्यादा रहती है।

आंध्र प्रदेश व कर्नाटक में बच्चे इस्तेमाल नहीं करेंगे सोशल मीडिया

सिद्धरमैया सरकार ने किया फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने घोषणा की है कि राज्य में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल करने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार (6 मार्च, 2026) को राज्य बजट पेश करते हुए यह बात कही है. सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि बच्चों पर मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए यह फैसला लिया गया है।

वहीं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में 13 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नीति अगले 90 दिनों में चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी। नायडू ने यह भी कहा कि राज्य सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि क्या यह प्रतिबंध 13 से 16 वर्ष की आयु के किशोरों पर भी लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि परामर्श और नीति समीक्षा के बाद अतिरिक्त उपाय भी लागू किए जा सकते हैं। पिछले महीने सिद्धारमैया ने बेंगलुरु में आयोजित कुलपति सम्मेलन में इस मुद्दे पर चर्चा की थी और कुलपतियों से राय मांगी थी. चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने

मोबाइल की लत, ऑनलाइन गेमिंग, बच्चों की शिक्षा और शारीरिक फिटनेस पर सोशल मीडिया के प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की थी। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकीमंत्री प्रियांक खरगे ने 30 जनवरी को कर्नाटक विधानसभा में कहा था कि युवाओं में सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग को देखते हुए राज्य सरकार आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कुछ उपाय लाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है। फिनलैंड ऐसी कार्रवाई कर चुका है और यूनाइटेड किंगडम भी इसी तरह की कार्रवाई पर विचार कर रहा है. उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही कुछ आयु वर्ग के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है. मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हमने भी स्टेकहोल्डर्स के साथ बात शुरू कर दी है ताकि यह देखा जा सके कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बचने के लिए क्या किया जा सकता है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा